

MEANING OF
TRANSFER OF
LEARNING

अधिगम-अंतरण

(Transfer of Training or Learning)

अधिगम स्थानान्तरण का अर्थ (Its Meaning)—सीखने की प्रक्रिया एक गतिशील प्रक्रिया है। एक परिस्थिति में सीखा हुआ कार्य दूसरी परिस्थिति में सहायक होता है तथा इस प्रकार एक अनुभव से दूसरा अनुभव होता है और यह सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने साइकिल चलानी सीख रखी है तो इस ज्ञान से वह मोटर साइकिल चलाना भी आसानी से सीख जायेगा। इसी प्रकार गणित का ज्ञान उसे दैनिक जीवन से सम्बन्धित समस्याओं को हल करने में सहायक होता है। इस प्रकार जब एक परिस्थिति में सीखा गया कार्य दूसरी परिस्थिति में कार्य सीखने में सहायक होता है तो इसे हम 'सीखने का स्थानान्तरण' या 'प्रशिक्षण का स्थानान्तरण' कहते हैं।

कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्न हैं—

(1) अन्डरवुड—“अधिगम स्थानान्तरण का अर्थ वर्तमान क्रिया पर पूर्व अनुभवों का प्रभाव होता है।”

“The influence of previous experience on current performance defines transfer of training.”
—B. J. Underwood

(2) हिलगार्ड एवं एटकिन्सन—“अधिगम स्थानान्तरण में एक क्रिया का प्रभाव दूसरी क्रिया पर पड़ता है।”

“The influence that learning one task may have on the subsequent learning or performance of another task is called transfer of training.”—E. R. Hilgard & R. G. Atkinson

(3) कॉलसनिक—“अधिगम अंतरण पहली परिस्थिति से प्राप्त ज्ञान, कौशल, आदत, अभियोग्यता का दूसरी परिस्थिति में प्रयोग करना है।”

“Transfer is the application of carryover of knowledge, skills, habits, attitudes or other responses from one situation in which they are initially acquired to some other situation.”
—Kolesnik

(4) गुथरी एवं पावर्स—“अधिगम अंतरण से अभिप्राय व्यवहार के विस्तार तथा विनियोग से है।”

“Transfer may be defined as a process of extending and applying behaviour.”

—Guthrie and Powers

(5) क्रो व क्रो—“जब अधिगम के एक क्षेत्र में प्राप्त ज्ञान, अनुभव, विचार, आदत या कौशल का दूसरी परिस्थिति में प्रयोग किया जाता है तो वह अधिगम अंतरण कहलाता है।”

“The carry over of habits of thinking, feeling or working of knowledge, or skills from one learning area to another, is usually referred to as the transfer of training.”—Crow & Crow

(6) सोरेन्सन—“स्थानान्तरण एक परिस्थिति में अर्जित ज्ञान, प्रशिक्षण एवं आदतों का दूसरी परिस्थिति में अन्तरण होना है।”

“Transfer refers to the transfer of knowledge, training and habits acquired in one situation to another.”
—Sorenson

(7) पीटरसन—“स्थानान्तरण सामान्यीकरण है, क्योंकि यह एक नये क्षेत्र तक विचारों का विस्तार है।”

“Transfer is generalization, for, it is extension of ideas to a new field.” —Peterson

(8) कैंडलैंड—“अन्तरण पूर्व सीखे गए व्यवहार का वर्तमान में सीखे गए व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव से सम्बन्धित होता है।”

“Transfer is concerned with the effect of previously learned behaviour on more recently acquired behaviour.”
—Candland

स्थानान्तरण के प्रकार (Types of Transfer)—अधिगम स्थानान्तरण तीन प्रकार का होता है—

(1) सकारात्मक स्थानान्तरण (Positive Transfer)—जब एक परिस्थिति में अथवा एक विषय में सीखा गया ज्ञान किसी नवीन परिस्थिति या विषय को सीखने में सहायता करता है तो उसे सकारात्मक स्थानान्तरण कहते हैं। उदाहरणार्थ, जो व्यक्ति साईकिल चलाना सीख जाता है उसे मोपेड चलाना भी आसानी से आ जायेगा।

“Positive transfer occurs when something previously learned benefits performance or learning in a new situation.”
—Morgan & King

(2) नकारात्मक स्थानान्तरण (Negative Transfer)—जब एक परिस्थिति में सीखा गया ज्ञान नवीन ज्ञान के सीखने में बाधा उत्पन्न करता है जो उसे नकारात्मक स्थानान्तरण कहते हैं। उदाहरणार्थ—यदि किसी अमेरिकन को, जिसने जीवन भर दायें हाथ से गाड़ी चलाई हो, अगर भारत में आकर उसे दायें हाथ से गाड़ी चलानी पड़े तो उसका पहला प्रशिक्षण नई स्थिति में बाधा उत्पन्न करेगा।

“When learning one task makes learning a second task harder we speak of negative transfer.”
—Boring & Others

(3) शून्य स्थानान्तरण (Zero Transfer)—जब एक कार्य का प्रशिक्षण दूसरे कार्य को सीखने में न तो सहायता ही करता है और न ही बाधा उत्पन्न करता है तो इस प्रकार के प्रशिक्षण को शून्य स्थानान्तरण कहते हैं। इस शून्य अन्तरण का एक कारण यह हो सकता है कि पहले कार्य की प्रकृति का दूसरे कार्य की प्रकृति से कोई सम्बन्ध ही न हो। जैसे, भूगोल का ज्ञान भौतिक शास्त्र की समस्या को नहीं सुलझा सकता।